संख्या : 249 /2023/ 3459 /चार-2023

प्रेषक,

दुर्गा शंकर मिश्र,
मुख्य सचिव,
उ0 प्र0 शासन।

सेवा में,

1- समस्त अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, उ0 प्र0 शासन।
2- पुलिस महानिदेशक, उ0 प्र0, लखनऊ।
3- समस्त मण्डलायुक्त, उ0 प्र0 शासन।
4- समस्त जिलाधिकारी, उ0 प्र0 शासन।

संस्कृति अनुभाग : **लखनऊ : दिनांक 07 अगस्त, 2023**

विषय : आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 09 अगस्त, 2023 को पंच-प्रण की शपथ के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि आजादी का अमृत महोत्सव के समापन समारोह के अन्तर्गत ''मेरी माटी, मेरा देश'' एवं ''हर घर तिरंगा अभियान'' का सम्पूर्ण देश में उत्सवी ढंग से आयोजन किया जाना है। ''मेरी माटी, मेरा देश'' अभियान हेतु शासनादेश दिनांक 31 जुलाई, 2023 द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये जा चुके हैं।

2- इसी अनुक्रम में दिनांक 09 अगस्त, 2023 को समस्त ग्राम/ग्राम पंचायतों/नगर निकायों/ ब्लॉक/छावनी परिषदों/ सरकारी कार्यालयों/ विद्यालयों/ महाविद्यालयों/ विश्वविद्यालयों/निगमों/ औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सभी अधिकारियों/कर्मचारियों/विद्यार्थियों/स्थानीय जनप्रतिनिधियों आदि को **पंच-प्रण** की शपथ दिलाई जानी है।

3- उक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि इस अवसर पर ऊपर प्रस्तर में अंकित सभी वर्ग से **पंच-प्रण** शपथ लेते हुए भारत सरकार की वेबसाइट merimaatimeradesh.gov.in पर सेल्फी (सामूहिक/एकल) अपलोड कराने हेतु अपने स्तर से सभी संबंधित को निर्देश निर्गत करने का कष्ट करें। इसे अपने कार्यालयों में भी 09 अगस्त को सुनिश्चित करायें।

संलग्नक : पंच-प्रण।

भवदीय,
दुर्गा शंकर मिश्र
मुख्य सचिव

संख्या व दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि :

1- अपर मुख्य सचिव मा0 मुख्यमंत्री, उ0 प्र0।
2- स्टॉफ आफिसर, मुख्य सचिव, उ0 प्र0 शासन।
3- निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि उल्लिखित अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कराना सुनिश्चित करें।
4- निदेशक, संस्कृति निदेशालय, उ0 प्र0 जवाहर भवन, लखनऊ को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि उत्सवधर्मितापूर्ण आयोजनों के अनुकूल कार्यक्रमों की रूपरेखा बनायें व उन्हें मूर्त रूप दिये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करायें।
5- गार्ड बुक।

आज्ञा से,
अमरनाथ उपाध्याय
विशेष सचिव

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

अमृत काल के पंच प्रण

1- विकसित भारत का लक्ष्य
2- गुलामी के हर अंश से मुक्ति
3- अपनी विरासत पर गर्व
4- एकता और एकजुटता
5- नागरिकों में कर्तव्य की भावना

"मैं शपथ लेता हूँ कि विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाऊंगा। मैं शपथ लेता हूँ कि गुलामी की मानसिकता से मुक्ति के लिये हर संभव प्रयास करूंगा।"

मैं शपथ लेता हूँ कि देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करूंगा और इसके उत्थान के लिए हमेशा कार्य करता रहूंगा। मैं शपथ लेता हूँ कि देश की एकता और एकजुटता के लिए सदैव प्रयासरत रहूँगा।

मैं शपथ लेता हूँ कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और दायित्वों का पालन करूंगा। मैं शपथ लेता हूँ कि देश के गौरव के लिए प्राण देने वाले वीरों से प्रेरित होकर राष्ट्र की रक्षा, सम्मान और प्रगति के लिए समर्पित रहूँगा।"

---

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।